>

Title: Regarding delay in preparations for the Commonwealth Games.

MADAM SPEAKER: Now we take up 'Zero Hour'. Shri Gurudas Dasgupta.

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): Madam Speaker, I rise to express our collective protest and anger over the way in which the Commonwealth Games preparations are being done. हिन्दुस्तान में जिस तरीके से कॉमनवैल्थ गेम्स की तैयारियां हो रही है, हम उसके खिलाफ सरकार की दृष्टि आकर्षित करना चाहते हैं। इसके पहले भी हिन्दुस्तान में दिल्ली में एशियन गेम्स आयोजित हुए थे, जब जवाहर लाल नेहरू प्राइम मिनिस्टर थे, जब श्रीमती इन्दिरा गांधी भी थीं...(व्यवधान) यहां दो बार एशियन गेम्स हुए थे। एक बार इन्दिरा गांधी के टाइम पर एशियन गेम्स हुए थे, लेकिन एक बात थी कि काम-काज देखने के लिए प्राइम मिनिस्टर खुद घूमती थीं, देखती थीं, रिपोर्ट लेती थीं और राजीव जी भी थे, यह भी हम मानते हैं, but what is happening today? Every day there is a news report in the media that somebody has stolen money, somebody has resigned, somebody has laundered, and somebody is acting on a false report from London. What is this going on? There is total chaos and disorder bringing the country to a shame. The basic point is, who is giving the money? It is the Government's money, it is our money, people's money. हमारी यह खबर है कि सरकार कॉमनवैल्थ गेम्स की तैयारी के लिए और दिल्ली को सुन्दर बनाने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा पैसा खर्च कर रही है, लेकिन हो क्या रहा है,

Madam, I am giving you just a comparison. In Hyderabad, a stadium was built for 40,000 people for which Rs. 90 crore was spent. But here, for just renovation of the Indira Gandhi Stadium Complex, the money allotted is Rs. 669 crore.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): जिनका खर्च हो रहा है, उनकी भाषा नहीं बोल रहे।...(व्यवधान)

श्री गुरुदास दासगुप्त : यह तैयारी के लिए नहीं, मरम्मत के लिए खर्च हो रहा है। हम लोगों ने 40 हजार जनता के लिए हैदराबाद में स्टेडियम तैयार किया, उसमें 90 करोड़ रुपये खर्च हुआ और ये मरम्मत के लिए 600 करोड़ रुपये खर्चा कर रहे हैं, जनता के पैसे की लूट हो रही है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : उनको बोलने दीजिए। शान्त हो जाइये।

श्री गुरुदास दासगुप्त : हमारा पाइंट क्या है, हमारा पाइंट यह है कि जो स्पोर्ट्स बॉडी तैयारी करा रही है, वह स्पोर्ट्स बॉडी इंडिपेंडेंट है। I respect the independent status of the sports bodies. But they cannot hold the country to ransom. The Government is responsible because the money is people's money. The honour of the country, the fame of the country and the money of the country are involved here. The largest number of poor people live in India. We are spending nearly Rs. 50,000 crore and a loot is going on. There is no monitoring. Who is accountable? I am not suggesting that the way Indira Gandhi did, Dr. Manmohan Singh go and see; I am not suggesting that Shri Pranab Mukherjee should go and see. There has to be not only accountability of the Government, but there must be an organisational guarantee that the principle of accountability is implemented.

This is a matter of regret, matter of shame, matter of anger, matter of dereliction of duty, matter of showing the whole world.

MADAM SPEAKER: Thank you.

SHRI GURUDAS DASGUPTA : Madam, this Government is unable...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : टू-थ्री मिनट्स में बोलना होता है, इसलिए अब आप अपनी बात समाप्त करिए।

SHRI GURUDAS DASGUPTA : This Government is unable to manage price rise. At least, let them manage the Commonwealth Games. Let us see that the Government is capable of managing the Commonwealth Games. I urge upon the Government to make a statement. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप शांत रहिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री गुरुदास दासगुप्त : मैडम, यह सिर्फ सवाल नहीं है। हम सरकार से जानना चाहते हैं। सरकार को बताना होगा कि क्या हो रहा है और आप क्या करेंगे? यह सब गवर्नमेंट के हिसाब के खिलाफ हो रहा है, स्पोर्ट्स-मैन के खिलाफ हो रहा है, इसलिए सरकार की तरफ से सदन को बताना जरूरी है, इन परिस्थितियों को बदलने के लिए, इंडिया की डिग्निटी की रक्षा करने के लिए आप क्या करने जा रहे हैं? दुनिया में जो हमारी छवि खराब हो रही है। हिंदुस्तान इतना कमजोर नहीं है। ...(व्यवधान) They are proving to the world that India is totally incapable of holding the Commonwealth Games. It is total shame...(*Interruptions*)

श्री के.आर.जी. रेड्डी (भोंगीर): ऐसा कोई कानून है ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद): अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि एक महत्वपूर्ण विषय पर आपने मुझे बोलने की इजाजत दी। आज चाहे टीवी देखें या न्यूजप्रिंट अखबार देखें, सब जगह कॉमन वेल्थ गेम्स छाए हुए हैं। यह प्रश्न छाया हुआ है कि पता नहीं ये गेम्स हो भी पाएंगे या नहीं? 3 अक्टूबर को खेल प्रारंभ होने हैं। केवल 57 दिन बचे हैं, तो पूरे देश में एक सवाल उठ रहा है कि भारत यह खेल करा पाएगा या नहीं? विदेशी एजेंसियां जो भारत आयी थीं, उन्होंने साफ कहा है कि एक तो घटिया काम हो रहा है और दूसरा, समय पर कोई काम पूरा नहीं हो पाएगा। 1 अगस्त को तीन मुख्य स्टेडियम हैंड ओवर होने थे। वे हैंड ओवर हो गए, लेकिन वहां पानी लीक कर रहा है, क्रैक्स हो गए हैं और वहां चारों तरफ कूड़ा पड़ा हुआ है। अगर आप देखें, हमारे पड़ोसी देश चीन ने दो साल पहले ही ओलंपिक कराया। उसने 14 नए स्टेडियम बनाए। हमने एक भी नया स्टेडियम नहीं बनाया है, केवल उनकी मरम्मत की है।

महोदया, दो साल पहले कॉमन वेल्थ गेम्स का एलॉटमेंट हो गया था, तो फिर दो साल से हम क्या कर रहे थे? आप भी सड़कों से गुजरती होंगी, आपने देखा होगा कि अभी वहां काम चल रहा है, कूड़े का ढेर पड़ा हुआ और ऐसा लगता है कि दिल्ली में पूरा कूड़ाघर बन गया है। दो बार पहले भी यहां गेम्स हुए थे - एशियन गेम्स हुए और कॉमन वेल्थ गेम्स हुए, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा गया। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अभी खेल मंत्री जी सदन में उपस्थित थे, लेकिन वह चले गए। उन्होंने बयान दिया है कि भगवान भरोसे खेल हो रहा है। अगर भगवान चाहेंगे, तो खेल हो जाएगा, भगवान नहीं चाहेंगे तो खेल नहीं होगा। ...(व्यवधान) जयपाल रेड्डी जी सदन में उपस्थित हैं। बसंत कुंज में 15 हजार फ्लैट बनाए जा रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त करिए, आपको दिया गया समय समाप्त हो गया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : बसंत कुंज में डीडीए के 15 हजार फ्लैट बनाए जा रहे हैं। ...(व्यवधान) आप मेरी बात सुन लीजिए ...(व्यवधान) अभी डीडीए ने कहा ...(व्यवधान) आप हमें बोल लेने दीजिए, फिर अपनी बात कहिएगा। ..(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप इनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर): आप खूब अच्छा बोल चुके हैं ...(व्यवधान) आप खूब अच्छा सोचिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप उन्हें बोलने दीजिए। रेवती रमन जी, आप हमारी तरफ देखकर बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : माफ कीजिए। हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि खेल मंत्री जी यहां बैठे हुए थे, लेकिन अब चले गए हैं। इस पर सरकार का बयान आना चाहिए। â€¦(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह : इस पर चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : सैंट्रल विजिलैंस कमीशन, सीएजी और सीबीआई, सब एजैंसियों ने कहा है कि इसमें भ्रष्टाचार हुआ है।...(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह : मंत्री जी, क्या आप मान रहे हैं कि बहुत ठीक हुआ है?...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : रेवती रमन जी, आप अब समाप्त कीजिए। बसुदेव आचार्य जी को भी बोलना है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपकी बात हो गई है, अब आप समाप्त कीजिए।

...(व्यवधान)

श्री रेवती रमन सिंह : मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस पर चर्चा करवाइए। बहुत-बहुत धन्यवाद।...(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam Speaker, we are all for Commonwealth Games....(*Interruptions*) हम सब चाहते हैं कि हमारे देश में 3 अक्टूबर से कॉमनवैल्थ गेम्स हों। लेकिन जो घटना घट रही है, रोज जो खबर आ रही है, युनाइटेड किंगडम की एक फर्म को 2,47,467 पाउंड दिए गए और ब्रिटिश सरकार खुद बोल रही है कि यह इररैगुलर हुआ है। लेकिन सरकार चुप बैठी है।...(व्यवधान) हमारे मंत्री, हमारे दोस्त जयपाल रेड्डी जी ने जिस दिन रिनोवेटेड जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम का उद्घाटन किया, उसी दिन उसमें से पानी चूना शुरू हो गया।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Only what Basu Deb *ji* is saying will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री बसुदेव आचार्य : उन्होंने कहा कि पानी चू रहा था, इसलिए उसे ठीक करने के लिए यह काम हुआ है।...(व्यवधान) Rs. 961 crore was spent for the renovation of Jawaharlal Nehru Stadium. रिनोवेशन के लिए जितने करोड़ों, अरबों रुपये खर्च किए गए, उतने पैसे से हम अपने देश में नया बर्ल्ड क्लास, विश्वस्तरीय स्टेडियम बना सकते थे। हमने ऐसा न करके रिनोवेशन पर पैसे खर्च किए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्या कर रहे हैं? आप शान्त हो जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बसुदेव आचार्य जी, अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : एक खबर में आया है कि ट्रेडमिल किराए में लिया गया।...(व्यवधान)

उन्होंने एक लाख रुपये में ट्रेडमिल किराए में लिया और उसी सप्लायर ने आर्गनाइज़िंग कमेटी को उसे 10 लाख रुपये में सप्लाई किया। उसके लिए कोई टैंडर नहीं किया गया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : उन्होंने सीवीसी को कहा कि कंस्ट्रक्शन का जो काम चल रहा है, उसे इस तरह न किया जाए।...(व्यवधान) जो हुआ, there is no accountability; there should be some accountability. One should be held for what has been done. There is corruption; the scam has been done. One should be booked for that. Already two had to go, one had to resign. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, the hon. Minister.

...(*Interruptions*)

श्री बसुदेव आचार्य : दो लोगों ने इस्तीफा दिया है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बसुदेव जी, अब आपकी बात पूरी हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब इस विषय से अपने आपको संबद्ध कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य : मैडम, हमारी मांग है कि ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप माननीय मंत्री जी को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, हम भी इस विषय पर बोलना चाहते हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम इस विषय पर चर्चा करवा लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Madam, we demand that there should be a Joint Parliamentary Committee to enquire into this scam. ...(*Interruptions*) The Government should constitute a Joint Parliamentary Committee ...(*Interruptions*) Madam, I demand that there should be a Joint Parliamentary Committee to inquire into the corruption issue in the multi-dealings. More than Rs. 70,000 crore is being spent. This is the people's money. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये, शांत हो जाइये। मंत्री महोदय, इस विषय पर कुछ बोलना चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये। हम आपकी बात समझ रहे हैं, लेकिन पहले आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): अध्यक्ष महोदया, आप खिलाड़ी को तो बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान) कीर्ति आजाद जी खिलाड़ी हैं, इसलिए आप उन्हें बोलने का मौका दीजिए। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया करके आप बैठ जाइये।

यह विषय बीएसी में आ चुका है कि इस पर चर्चा होगी। अभी इस बारे में कोई तारीख निश्चित की जा रही है। इस पर विस्तार से चर्चा हो जायेगी। अभी मंत्री जी इस विषय में कुछ कहना चाहते हैं। जो भी माननीय सदस्य शून्य प्रहर में इस विषय से अपने को संबद्ध करना चाहते हैं, वे कर लें। इस विषय पर बाद में विस्तार से चर्चा कराने का निर्णय बीएसी में हो चुका है।

â€¦(व्यवधान)

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI S. JAIPAL REDDY): Madam, you organize a full-fledged discussion on this matter. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): अध्यक्ष महोदया, क्या यहां वन साइडेड चर्चा होगी? ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: You please sit down. This is not fair.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down. Shri Sanjay Nirupam, why are you getting up?

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Do not lose your temper.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : संजय जी, आप बैठ जाइये। आप सब भी बैठ जाइये। जब बीएसी में इस विषय पर विस्तार से चर्चा होने की बात तय हो चुकी है, तो वह चर्चा हो जायेगी।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया.....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : सुषमा जी, क्या आप कुछ कहना चाहती हैं?

â€¦(व्यवधान)

*m04

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैडम, आपने बहुत सही कहा कि कार्य सलाहकार समिति में यह तय हुआ कि इस विषय पर चर्चा होगी, लेकिन उसके बावजूद आपने आज शून्य प्रहर में गुरूदास दासगुप्त जी को बोलने का मौका दिया। आप कह रही हैं कि बाकी लोग संबद्ध कर लें। मैं कहना चाहती हूं कि आप जीरो ऑवर के उस नियम को मानते हुए गुरूदास दासगुप्त जी बुलवा कर सबको कहतीं कि वे इस विषय से अपने को संबद्ध कर लें, तो ठीक था, लेकिन गुरूदास दासगुप्त जी के बाद आपने रेवती रमन जी को बोलने का समय दिया। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : इन्होंने इस विषय में नोटिस दिया हुआ है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं वही बता रही हूं। ...(व्यवधान) आपने बसुदेव आचार्य जी को बोलने का मौका दिया। प्रमुख विपक्षी दल के मैम्बर योगी आदित्यनाथ जी का भी इस विषय में नोटिस है। कीर्ति आजाद जी का भी नोटिस है। मेरा केवल आपसे यह निवेदन है कि अगर शून्य प्रहर में यह बात कही गयी है, उठायी गयी है, तो प्रमुख विपक्षी दल से भी आप इन दोनों माननीय सदस्यों को बोलने का मौका दे दीजिए। बाद में इस पर चर्चा भी होगी। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : संजय जी, आप बैठ जाइये। इस समय नेता प्रतिपक्ष बोल रही हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्ष जी, मेरा एक निवेदन है कि यह विषय ऐसा नहीं है कि ...(व्यवधान) इसे शून्य प्रहर में उठाकर और सरकार के संक्षिप्त जवाब से खत्म कर दिया जाये। इस पर पूरी चर्चा आवश्यक है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारी में हो रहे विलंब में और उसमें व्याप्त भ्रष्टाचार पर पूरी चर्चा होनी चाहिए। लेकिन मेरा आपसे केवल यह निवेदन है कि अगर आपने नोटिस देने वालों को शून्य प्रहर में बोलने की अनुमति दी है, तो शरद जी और योगी आदित्यनाथ जी को भी बोलने का समय दीजिए। वे लोग अपनी बात कह दें। कीर्ति आजाद जी चूंकि स्वयं खिलाड़ी हैं, आप उन्हें भी बोलने का मौका दें। इसके बाद शून्य प्रहर खत्म हो। इसके बाद इस विषय पर पूरी चर्चा होगी। लेकिन उनको आप बोलने दें और प्रमुख प्रतिपक्षी दल बोलने से रह जाए, यह नहीं हो सकता है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए।

बीएसी में यह निर्णय हो चुका है कि इस पर विस्तार से चर्चा होगी। नोटिस थी श्री गुरुदास दासगुप्त एवं श्री रेवती रमन सिंह जी की, इसलिए उनको बोलने का मौका दिया। श्री बसुदेव आचार्य जी ने सस्पेंशन का नोटिस दिया था, उन्हें भी बोलने का मौका दिया। योगी आदित्यनाथ जी का नोटिस है एडजर्नमेंट का, जैसा आपने कहा है, मैं उनको भी बोलने का अवसर देती हूं, उसके बाद मंत्री महोदय बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री मंगनी लाल मंडल (झंझारपुर): शरद यादव जी को भी बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : और किसी की नोटिस नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): मैडम, कल यहां सदन में उर्दू के मामले में चर्चा हुई और उस पर कितने लोगों को बोलने का मौका दिया गया, उस पर बहस हुई, तो आज इस विषय पर भी सदस्यों को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कल जो हुआ है, उससे जिन लोगों ने जीरो ऑवर के नोटिस दिए थे, वह रह गए। इसलिए आज हमने सोचा था कि जिन्होंने जीरो ऑवर के नोटिस दिए हैं, उनको बोलने का अवसर देंगे। इसलिए जिन लोगों ने नोटिस दिया है, हम इसको उन्हीं तक सीमित रखना चाहते हैं।

योगी आदित्यनाथ जी, अब आप बोलिए।

श्री शरद यादव : आप मेरी बात एक मिनट सुन लीजिए। योगी जी बाद में बोलेंगे।...(व्यवधान)

श्री कीर्ति आज़ाद (दरभंगा): मैंने नियम 193 के तहत चर्चा के लिए नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए। योगी आदित्यनाथ जी को बोलने दीजिए।

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष जी, राष्ट्रमंडल खेलों के नाम पर पिछले एक वर्ष से हम लोग इस सदन में भी चिंता व्यक्त करते आ रहे हैं और खेलों में नाम पर जो भी गड़बड़ियां की जा रही हैं, उन पर समाचार पत्रों एवं मीडिया के द्वारा लगातार देश को अवगत कराया जाता रहा है। राष्ट्रमंडल खेल हमारे देश में पहली बार होने जा रहे हैं, लेकिन यह अत्यंत दुखद है कि इतने महत्वपूर्ण खेलों को इतने हल्केपन से लिया जा रहा है। जिन खेलों पर 700 करोड़ रूपए खर्च होने थे, उन पर आज कभी 10,000 करोड़ रूपए, कभी 35,000 करोड़ रूपए और अब 55,000 करोड़ रूपए खर्च करके देश की जनता के पैसे की जो लूट-खसोट सत्ता के द्वारा, सत्ता के माध्यम से मची हुई है, मुझे लगता है कि यह डकैती डालने की छूट किसी को नहीं दी जानी चाहिए। इसलिए इस सदन के माध्यम से इस प्रकार की लूट-खसोट पर अंकुश लगे, हम यह मांग करने के लिए आज अपना प्रस्ताव यहां लाए हैं। आपने सुबह हम लोगों से कहा था कि हमें जीरो ऑवर में बुलाएंगे, इसलिए मैं यही अनुरोध करना चाहूंगा कि यह इस देश की छवि खराब करना ही नहीं, बल्कि यह देश के साथ गद्दारी है, राष्ट्रद्रोह का मामला है, पूरे अन्तर्राष्ट्रीय जगत में भारत की छवि को धूमिल करने का एक कुत्सित प्रयास है और इस षडयंत्र में कौन लोग लिप्त हैं, उनको बेनकाब किया जाना चाहिए, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। यही मांग करते हुए मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि सरकार स्थिति स्पष्ट करे और जो लोग दोषी हैं, अब तक उन लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई है, उस पर इस सदन में पूरी चर्चा करके ऐसे दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसी हम आपसे मांग करते हैं।

श्री शरद यादव : एक मिनट में मेरी बात सुन लीजिए।...(व्यवधान)

श्री मंगनी लाल मंडल : शरद यादव जी को भी इस विषय पर बोलने का मौका मिलना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग इतनी जल्दी नाराज क्यों हो जाते हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : नोटिस नहीं है। इसे नोटिस तक सीमित रख रहे हैं, फिर सभी का पूरा हो जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जिन्होंने नोटिस नहीं दिया, सबका हो जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): जब कल बिना नोटिस के उर्दू पर सब लोग हाउस में बोले हैं, उसका नोटिस नहीं दिया गया था। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बोलने का अवसर दे दिया, अब क्या बात है?

â€¦(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : सदन में नियम से आप भी चलिए, नियम से हम भी चलेंगे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हाँ, अब हम नियम से ही चल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया: आप सब लोग बैठ जाएं और पहले अपनी-अपनी नाराजगी दूर करें, खासकर मंगनी लाल मंडल जी अपनी नाराजगी दूर करें। अब शरद यादव जी बोलेंगे।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): हमें मौका नहीं मिला।

अध्यक्ष महोदया: अब आप क्यों खड़े हो गए हैं और क्यों नाराज हो रहे हैं। जिन्होंने नोटिस नहीं दिए, अब वही बोलेंगे और आप भी बोलेंगे।

श्री शरद यादव : अध्यक्ष जी, मैं कोई भाषण देने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूं। सुषमा जी ने जो बात कही, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में गम्भीर मुद्दों खासकर भोपाल गैस त्रासदी और कॉमन वैल्थ गेम्स के बारे में बात हुई थी। मैं मानता हूं कि कुछ सदस्यों ने इस पर नोटिस दिया है। मैं कल बाहर था, आज सुबह ही यहां पहुंचा हूं इसलिए मैं आपसे माफी चाहता हूं कि मैं इस पर नोटिस नहीं दे सका। लेकिन मेरा नोटिस ही काफी नहीं था, न ही वाजिब था, जिन लोगों ने अभी इस मुद्दे को यहां उटाया है, बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में वे भी हाजिर थे। यह इतना गम्भीर मामला है कि केवल कुछ देर के लिए यहां चर्चा करके और मंत्री जी द्वारा बयान दिलाकर इसे समाप्त नहीं किया जा सकता। इसमें आपकी गलती नहीं है। आप तो नियम के तहत ही कर रही हैं। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि देश में यह मुद्दा बहुत अहम् बन गया है और इस सवाल को हम आज ही नहीं, जयपाल जी, हम दो बरस से उठा रहे हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस विषय पर चर्चा करके जिस तरीके से इसे हल्केपन से निकाला जा रहा है, उसे हम बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं। ये जो खर्च बता रहे हैं, मेरा मानना है कि इस आयोजन पर 1 लाख करोड़ रुपए तक खर्च हो रहे हैं।...(व्यवधान) आप हंसे मत, मैं यह साबित करके दिखा दूंगा। मेरे पास इस सम्बन्ध में काफी मेटिरियल है।

अध्यक्ष जी, मेरी आपसे विनती है कि यह केवल भ्रष्टाचार तक ही सीमि नहीं है, जिस चतुराई से रूलिंग क्लास के लोगों ने कपटपूर्ण तरीके से ये गेम्स यहां लाने का काम किया है, मैं वह भी जानता हूं। इन खेलों की दुनिया में कहीं कोई मान्यता नहीं है। एशियन गेम्स की तो है, लेकिन इनकी नहीं है। यह गुलामों के देशों का खेल है। जयपाल जी मेरे अच्छे मित्र हैं और सच्चे आदमी हैं। उद्घाटन के समय मैंने इनका भाषण सुना था।

श्री मुलायम सिंह यादव : दल बदल गए तो सच्चे हो गए। अपनी मेहनत से मंत्री बने हैं। अब तो फोकट में बन रहे हैं।

श्री शरद यादव : नहीं, आप पहले सुनिए तो सही, मैंने जयपाल जी के मुंह से उस समय सुना था कि जो ओलम्पिक हुए हैं, उनके स्टेडियम्स भी लीक कर रहे थे। इसका मतलब है कि हिन्दुस्तान में जो पैसा 700 करोड़ रुपया, 800 करोड़ रुपया, 900 करोड़ रुपया, जो भी है, स्टेडियम्स के रिनोवेशन पर लगाया, ये सारे स्टेडियम्स भी बरसात में लीक करेंगे। यहां तो उससे भी आगे की बात हो रही है। राष्ट्र मंडल खेलों के नाम पर क्या-क्या नहीं हो रहा है, पूरी दिल्ली खोद दी गई है। जे.पी. अग्रवाल जी यहां बैठे हैं, वह बताएं कि नई दिल्ली से बाहर अगर एक पैसा भी खर्च हुआ हो तो मैं सदन से बाहर निकलने को तैयार हूं। पूरी दिल्ली को तबाह कर दिया गया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: शरद यादव जी, कृपया आसन को सम्बोधित करके अपनी बात कहें। आपने एक मिनट कहा था, लेकिन तीन मिनट से ज्यादा हो गए हैं। अब आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री शरद यादव : मैं आपके माध्यम से सदन से कहना चाहता हूं कि इनके बयान को हम नहीं होने देंगे। इस पर पूरी चर्चा हो, तब इनका बयान होगा, नहीं तो यह सदन नहीं चलेगा और आपको बयान नहीं देने दिया जाएगा।

अध्यक्ष महोदया: अब श्री मुलायम सिंह जी अपनी बात कहेंगे और मैं माननीय सदस्यों से कहूंगी कि वे अपनी बात संक्षेप में कहें और जल्दी समाप्त करें।

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदया, इससे गंभीर मामला, आज सदन में और कोई नहीं हो सकता है, आने वाले एक साल में भी नहीं हो सकता है। इस गेम्स पर लगभग एक लाख करोड़ रुपये का खर्चा हो रहा है, यह मैंने माननीय शरद यादव जी को बताया है और आगे कितना बढ़ेगा, यह भी सरकार तय करके बताएंगी। बहुत सा ऐसा खर्चा है जो किसी को नहीं बताया जाएगा, पता भी नहीं चलेगा। कौन कहां काम कर रहा है, कैसे कर रहा है, पता भी नहीं चलेगा। एक लाख करोड़ रुपया खर्च हो रहा है, जबकि आज देश में भुखमरी है, गरीब आदमी बेटी की शादी नहीं कर पा रहा है, दो वक्त की रोटी अरहर की दाल से भी नसीब नहीं हो पा रही है। भूख के कारण यह लोग यहां बड़ी संख्या में आत्महत्या कर रहे हैं। जिस आदमी को घी नहीं मिलता है, फल नहीं मिलता है, दूध नहीं मिलता है, मांस नहीं मिलता है, अंडा नहीं मिलता है, वह गरीब आदमी अगर अरहर की दाल खा ले, तो उसका भोजन कुछ पौष्टिक हो जाता है, लेकिन वह दाल भी आज उसे खाने को नहीं मिल रही है और ये देश के सम्मान की बात करते हैं? सरकार भिखारी की तरह दूसरे देशों से रुपया मांगने जाते हैं, देश को मदद के लिए भिखारी बना दिया गया है। मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं। एक दिन माननीय कृषि मंत्री जी ने मेरे प्रश्न का जवाब नहीं दिया था, मेरा आग्रह है कि माननीय प्रधान मंत्री जी यहां आकर जवाब दें। लगभग एक लाख करोड़ रुपया तो कई सूबों का बजट भी नहीं है, क्या पंजाब और हरियाणा दोनों का मिलाकर इतना बजट है? क्या उत्तराखंड और नॉर्थ-ईस्ट का मिलाकर भी इतना बजट है? जितना इनका बजट नहीं है उतना राष्ट्रमंडल गेम्स पर खर्च किया जा रहा है और देश के सम्मान की बात करते हैं, देश को भिखमंगा बना दिया है।

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, अब आप समाप्त कीजिए। श्री संजय निरुपम।

...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अगर अध्यक्ष महोदया, आप मुझे नहीं बोलने देंगी, टोका-टाकी करेंगी तो मैं सदन का बहिष्कार करता हूं।

12.43 hrs.

(Shri Mulayam Singh Yadav and some other hon. Members

then left the House)

...(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : महोदया, इन्होंने नोटिस नहीं दिया है।

श्री संजय निरुपम : अध्यक्ष महोदया, नोटिस तो माननीय शरद यादव की भी नहीं थी, नोटिस तो माननीय मुलायम सिंह की भी नहीं थी, नोटिस बोलने के लिए कोई क्राइटेरिया नहीं होता।.

. ...(व्यवधान) आपने अपनी बात कही, अब हमें अपनी बात कहने दीजिए।....(व्यवधान)

श्री यशवंत सिन्हा : आप विपक्ष को भी मौका दीजिए।....(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यशवंत सिन्हा जी, आप बैठ जाइये। ठीक है, विपक्ष को भी मौका दे देंगे। आप बैठ जाइये।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI V. NARAYANASAMY): Madam, you are giving them an opportunity, an opportunity be given to a Member from this side also.

MADAM SPEAKER: I will give him an opportunity. Turn by turn I will give the opportunity.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Have I finished the subject?

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

MADAM SPEAKER: I have not finished the subject.

श्री संजय निरुपम : अध्यक्ष महोदया, विपक्ष के सारे माननीय सदस्यों की भावनाओं की कद्र करते हुए, उनका सम्मान करते हुए, मैं इस शून्य प्रहर की चर्चा में हिस्सा लेते हुए सिर्फ दो बातें कहना चाहूंगा।

सबसे पहली बात कॉमन वेल्थ गेम्स के आयोजन और तैयारियों में अगर किसी प्रकार का भ्रष्टाचार हुआ है, तो उसका समर्थन करने के लिए हम यहां खड़े नहीं हैं।

मुझे दूसरी बात यह कहनी है कि अगर किसी पर आरोप लगा है, तो आरोप तय होने से पहले ही किसी को फांसी पर चढ़ाने की यह परम्परा अच्छी नहीं है। अगर कुछ फिगर्स आए हैं, तो उन्हें चैक करना चाहिए। महोदया, महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने देश के लिए गौरव की बात है कि यहां राष्ट्र मंडल खेलों का आयोजन पहली बार हो रहा है।...(व्यवधान)

SHRI HARIN PATHAK (AHMEDABAD EAST): People are dying. People are starving. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Only what Shri Sanjay Nirupam speaks will go on record. Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप माननीय सदस्य की बात सुन लीजिए। बाद में कीर्ति आजाद जी को भी बोलने का मौका मिलेगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : यशवंत सिन्हा जी, आप बैठ जाएं। माननीय सदस्य को बोलने दीजिए। बाद में कीर्ति आजाद जी बोलेंगे।

â€¦(व्यवधान)

श्री संजय निरुपम : महोदया, मुझे कहना है कि सदन में बैठे सभी माननीय सदस्य हिंदुस्तान के मान-सम्मान की कसमें खाते हैं, शपथ लेते हैं। खेलों के होने में दो महीने रह गए हैं, लेकिन अभी तक तैयारियां चल रही हैं। इन तैयारियों में तथाकथित भ्रष्टाचार के नाम पर रोज अखबारों में जो छप रहा है और विपक्ष की तरफ से जो आरोप लगाए जा रहे हैं, उससे और कुछ नहीं, लेकिन हिंदुस्तान का मान-सम्मान खराब हो रहा है, हिंदुस्तान की इज्जत मिट्टी में मिल रही है।...(व्यवधान) महोदया, आपने मुझे बोलने की अनुमति दी है, मुझे अपनी बात कहने दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: You sit down. Listen to him. Then only I will call the next speaker, who is Shri Kirti Azad.

...(*Interruptions*)

श्री संजय निरुपम : महोदया, इस बात को मैं जानता हूं, पहचानता हूं कि इस देश में भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा है और किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन जो माननीय सदस्य उस तरफ बैठे हैं, कम से कम भ्रष्टाचार पर नसीहत आप मत दीजिए। *(Interruptions) â€¦** जब-जब भ्रष्टाचार हुआ, उसकी छानबीन करने के लिए हम वचनबद्ध हैं।...(व्यवधान) अगर कोई भ्रष्टाचार हुआ है, तो उसकी छानबीन की जाएगी। इन्हीं बातों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: I will expunge it. It will be expunged.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: It has been expunged. I have told them to expunge it.

...(*Interruptions*)

श्री कीर्ति आज़ाद : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका धन्यवाद करता हूं और अपने सभी मित्रों का, जो उस तरफ बैठे हैं, उनको उत्तर भी दूंगा और उनसे प्रश्न भी करूंगा।

अध्यक्ष महोदया : आप संक्षेप में बोलिए, क्योंकि शून्य प्रहर चल रहा है।

श्री कीर्ति आज़ाद : मैं अपनी बात बहुत संक्षेप में कहूंगा। अभी मनीष तिवारी जी ने कहा कि आप खेल यहां क्यों ले कर आए हैं। खेल इसलिए ले कर आए, ताकि हमारे खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिले। हमारे पास अच्छा इफ्रास्ट्रक्चर बने और खिलाड़ी उसका लाभ उठा सकें। ये खेल किसके लिए हो रहे हैं? ये खेल खिलाड़ियों के लिए हो रहे हैं।...(व्यवधान) किसी ने आज तक क्या यह बात रखी है या यह बात सामने रखी है कि इस झंझट के अंदर भारत कितने मैडल जीतकर लेकर आएगा?...(व्यवधान) जब हम मैलबर्न में खेलें और मैनचैस्टर में खेले तो हम चौथे स्थान पर थे और जब हम बाहर जाकर विदेशों में खेले तो वहां पर भी उनको हजार करोड़ रुपये से ज्यादा अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को खड़ा करने में नहीं लगाने पड़े। लेकिन यहां एक लाख करोड़ की बात हो रही है। मैं यह जानना चाहता हूं कि इतना पैसा खर्च कर देने के बाद यदि हम दूसरे स्थान पर भी नहीं पहुंचे तो हम किस गौरव की बात करते हैं? आपने कहा कि यह गौरव की बात है कि खेल हो रहे हैं। गौरव का तो तब मजा आएगा जब 50 से 100 मैडल होंगे और 100 से 200 मैडल होंगे।...(व्यवधान) लेकिन अभी तक हम किसमें जुड़े हुए हैं?...(व्यवधान) बसुदेव आचार्य जी ने अभी आपको बताया कि जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 900 करोड़ रुपये रेनोवेशन में लग रहे हैं। रेनोवेशन के लिए 900 करोड़ नहीं 961.48 करोड़ रुपये इसके अंदर लगे हैं और वह पैसा कहां जा रहा है?...(व्यवधान) एक अच्छा स्टेडियम बनने में आप पूरे देश में चले जाइए और किसी भी क्रिकेट के स्टेडियम को देखिए तो वहां देखेंगे कि वह स्टेडियम 70 करोड़ से 80 करोड़ रुपये से ज्यादा में नहीं बना हुआ है। यह बात दूसरी है कि यूपीए की सरकार में रहने वाले मंत्री का वानखेड़े स्टेडियम 300 करोड़ रुपये में बन रहा हो। लेकिन पूरे देश में क्रिकेट का स्टेडियम 70 से 80 करोड़ रुपये से ज्यादा में नहीं बनता। लेकिन यहां तो स्टेडियम नहीं बन रहे हैं। यहां तो रेनोवेशन की बात हो रही है और हमारे मित्र संजय निरुपम जी कहते हैं कि यह गौरव की बात है। सच में बड़े गौरव की बात है कि हमारा जो तंत्र है, यह ...(व्यवधान) * सरकार...(व्यवधान) और गांधारी की तरह आंख पर काली पट्टी बांधकर दिल्ली की सरकार अंधी बनी हुई है।...(व्यवधान)और साथ में शकुनि और दुर्योधन मिलकर लूट मचा रहे हैं।...(व्यवधान)ये कॉमनवैल्थ गेम्स नहीं हैं। संजय जी, यह रिलायंस का खेल नहीं है। बैठिए। ये कॉमनवैल्थ गेम्स नहीं बल्कि ये कॉमन मैन वैल्थ लूट का खेल यहां पर चल रहा है।...(व्यवधान)एक खिलाड़ी की टीस क्या होती है? आप एक खिलाड़ी की टीस पूछिए।...(व्यवधान) मैं जो 1983 में वर्ल्ड कप जीतकर

आया था, मेरा नाम आया था, मैंने उसके लिए मेहनत की थी। मैंने जोर लगाया था और लोगों के पैसे लूटने के लिए मैंने नहीं किया था। मैंने देश की आन-बान-शान और मर्यादा बढ़ाने के लिए किया था।...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदया, 1983 में हम वर्ल्ड चैम्पियनशिप जीतकर आए थे। वहां मोहम्मद अजहरुद्दीन बैठे हुए हैं। वे आज चुप क्यों बैठे हुए हैं? मुझे समझ में नहीं आता। सेन्ट्रल हॉल में वे मुझसे बात करते रहते हैं। खिलाड़ी की टीस कहां गई? एक-एक खिलाड़ी को स्वर्ण पदक जीतने के लिए वह खिलाड़ी सालों-साल मेहनत करता है। वह इसलिए मेहनत नहीं करता कि यहां बैठे-बैठे देखे कि कितने का ट्रैड मिल सकता है, 9 लाख का जो ट्रैड मिल ले रहे है, वह 3 लाख में मिलना चाहिए, छाता जिसका मूल्य 500 रुपये है, वह 4500 रुपये में लिया जा रहा है। यह तो गनीमत समझिए कि टॉयलेट पेपर रीसाइकल नहीं होता, नहीं तो उसका भी न जाने वे कितना रैंट लगा देंगे। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, प्रथम दिन जिस दिन यह सत्र शुरु हुआ था, आदरणीय सुषमा जी, लीडर ऑफ अपोजीशन के साथ मैं बैठा था। आपसे बात हुई थी और मैंने यह प्रस्ताव नियम 193 के अन्तर्गत चर्चा के लिए पूरी तरह से रखा है और उस चर्चा के बाद ही कोई मंत्री यहां पर जवाब दें।...(व्यवधान) भीष्म पितामह की तरह बैठे हैं। आदरणीय जयपाल रेड्डी जी, मेरे पिता जी आपके सीनियर सहयोगी पार्लियामेंट में थे। अनेकों बार आपने कहा कि जब कभी कांग्रेस सरकार में होते हुए कभी गलत करती थी तो वह सरकार के विरोध में बोलते थे। आज चुपचाप बैठे हैं। कहते हैं कि नहीं, नहीं, वह कुछ नहीं है, पानी उधर से लीक हो रहा था तो यहां टपक रहा है। ठीक करवा रहे हैं।...(व्यवधान) इसलिए कोई जवाब किसी मंत्री का आज नहीं सुना जाएगा। नियम 193 के अधीन इसे लाने के बाद ही चर्चा में हम लोग यहां बैठेंगे और फिर चर्चा होगी।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The next Member to raise his matter is Shri Hassan Khan.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: आप बैठ जाइए। अब हो गया।

â€¦(व्यवधान)

SHRI HASSAN KHAN (LADAKH): Thank you, Madam. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: This is a very important matter about Ladakh.

...(*Interruptions*).

अध्यक्ष महोदया : देखिए, वहां लोग बहुत कष्ट में हैं। उनको अपनी बात कह लेने दीजिए। लद्दाख के एमपी हैं। उनकी बात सुन लीजिए। आप सब बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI HASSAN KHAN : Thank you very much, Madam Speaker. ...(*Interruptions*) I want to bring to the notice of the Government ...(*Interruptions*)

श्री के.आर.जी. रेड्डी : मैडम, मंत्री जी को भी बोलना है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : वह तो बोले कि नहीं बोलना है।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Do you want to respond?

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY : Yes, Madam. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: I thought that you have said 'No'.

...(*Interruptions*)

SHRI S. JAIPAL REDDY : No, they did not want it. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : अब आप सब बैठ जाइए। लद्दाख की बात होने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI SANJAY NIRUPAM : Madam, if the hon. Minister wants to respond, then he should be allowed to respond. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY : When the Minister wants to respond, they are telling that he should not speak. This is not the way the Members have to behave in this House. When the Minister wants to speak something, why do they say that he should not speak? That is not fair. Madam, you have already ruled that we are going to have a discussion on this, then why did they raise this issue? ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Hon. Minister, do you want to speak?

SHRI S. JAIPAL REDDY : Yes, Madam.

MADAM SPEAKER: All right, then please speak.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : खान साहब, आप बैठ जाइए। आप मंत्री जी के बाद बोलिएगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप इनकी बात सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप मेरी बात सुनें।.

..(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: If the Minister wants to speak, how can I tell him not to? If the Government wants to intervene, what can I do about it?

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप इन्हें बोलने तो दीजिए। आप इनकी बात सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: How can you prevent the Minister from speaking? Why did you raise the issue? If the Minister wants to reply, why do you want to prevent him from speaking? You should hear the Minister. ...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, जीरो ऑवर में यह विषय इसलिए उठाया गया कि इस पर चर्चा की जाए। आपने कहा कि चर्चा हो जाएगी और जब चर्चा हो जाए तब माननीय मंत्री जवाब दे दें।।...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: This is a very peculiar attitude of the BJP. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The Minister wants to intervene, let him intervene.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam, has it ever happened? What is this? ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: The Minister wants to intervene, let him intervene.

...(*Interruptions*)

श्री पवन कुमार बंसल : यह अजीब बात है कि मंत्री जी बोलना चाहते हैं और उन्हें बोलने नहीं दे रहे हैं।...(व्यवधान) महोदया, क्या कभी ऐसा हुआ है? ...(व्यवधान)

SHRI V. NARAYANASAMY: It is very unfortunate that the Opposition Parties are not allowing the Minister to respond.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Has it ever happened? All of you insist that the Minister should respond. Madam, often, the Opposition demands that the Minister should respond. Here the Minister is responding and they are acting like this. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI V. NARAYANASAMY: You have raised the issue, but you do not want to let the Minister respond to it. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please sit down. I have given him permission to speak. During 'Zero Hour', the Government has the right to intervene. The hon. Minister has expressed his desire to respond and I have given him permission, so let him speak. I have given him permission. From the Chair, I have given the permission to the hon. Minister. फिर आगे चर्चा होगी, अभी चर्चा समाप्त नहीं हुई है। अभी मैंने उन्हें बोलने की परमीशन दे दी है।

...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : महोदया, शून्य प्रहर में जो बात उठाई गई है, वह केवल यह उठाई गई है कि इस पर चर्चा दो। आपने कहा कि चर्चा देंगे। चर्चा के बाद...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : यह चर्चा हुई है कि नहीं, इसमें एक घंटा लगाया है।...(व्यवधान) इस पर चर्चा मांगने के लिए इन्होंने घंटा लगाया है।...(व्यवधान) अब यह मांगते हैं कि मिनिस्टर जवाब दे...(व्यवधान) मिनिस्टर जवाब देना चाह रहे हैं और यह जवाब सुनना नहीं चाहते हैं...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Hon. Minister, do you want to reply?

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Let him speak. Hon. Minister wants to speak.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER :

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shri Nama Nageshwar Rao,

Sk. Saidul Haque,

Shri Ramkishun and

Smt. Sushila Saroj are associating themselves with the issue raised by Shri Basu Deb Acharia on Commonwealth Games.

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मंत्री जी जवाब देना चाहते हैं और यह जवाब सुनना नहीं चाहते हैं।...(व्यवधान)

13.02 hrs.

(At this stage, Shri Bhupendra Singh and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 2.00 P.M.

13.02Â¼ hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen of the Clock.